وَإِذْ قَالَ رَبُّكَ لِلْمَلَٰٓئِكَةِ إِنِّي جَاعِلٌ فِي ٱلْأَرْضِ خَلِيفَةً ۖ قَالُوٓا۟
أَتَجْعَلُ فِيهَا مَن يُفْسِدُ فِيهَا وَيَسْفِكُ ٱلدِّمَآءَ وَنَحْنُ نُسَبِّحُ
بِحَمْدِكَ وَنُقَدِّسُ لَكَ ۖ قَالَ إِنِّيٓ أَعْلَمُ مَا لَا تَعْلَمُونَ ﴿٣٠﴾ وَعَلَّمَ
ءَادَمَ ٱلْأَسْمَآءَ كُلَّهَا ثُمَّ عَرَضَهُمْ عَلَى ٱلْمَلَٰٓئِكَةِ فَقَالَ
أَنۢبِـُٔونِي بِأَسْمَآءِ هَٰٓؤُلَآءِ إِن كُنتُمْ صَٰدِقِينَ ﴿٣١﴾ قَالُوا۟
سُبْحَٰنَكَ لَا عِلْمَ لَنَآ إِلَّا مَا عَلَّمْتَنَآ ۖ إِنَّكَ أَنتَ ٱلْعَلِيمُ
ٱلْحَكِيمُ ﴿٣٢﴾ قَالَ يَٰٓـَٔادَمُ أَنۢبِئْهُم بِأَسْمَآئِهِمْ ۖ فَلَمَّآ أَنۢبَأَهُم
بِأَسْمَآئِهِمْ قَالَ أَلَمْ أَقُل لَّكُمْ إِنِّيٓ أَعْلَمُ غَيْبَ ٱلسَّمَٰوَٰتِ
وَٱلْأَرْضِ وَأَعْلَمُ مَا تُبْدُونَ وَمَا كُنتُمْ تَكْتُمُونَ ﴿٣٣﴾ وَإِذْ قُلْنَا
لِلْمَلَٰٓئِكَةِ ٱسْجُدُوا۟ لِـَٔادَمَ فَسَجَدُوٓا۟ إِلَّآ إِبْلِيسَ أَبَىٰ وَٱسْتَكْبَرَ
وَكَانَ مِنَ ٱلْكَٰفِرِينَ ﴿٣٤﴾ وَقُلْنَا يَٰٓـَٔادَمُ ٱسْكُنْ أَنتَ
وَزَوْجُكَ ٱلْجَنَّةَ وَكُلَا مِنْهَا رَغَدًا حَيْثُ شِئْتُمَا وَلَا تَقْرَبَا
هَٰذِهِ ٱلشَّجَرَةَ فَتَكُونَا مِنَ ٱلظَّٰلِمِينَ ﴿٣٥﴾ فَأَزَلَّهُمَا ٱلشَّيْطَٰنُ
عَنْهَا فَأَخْرَجَهُمَا مِمَّا كَانَا فِيهِ ۖ وَقُلْنَا ٱهْبِطُوا۟ بَعْضُكُمْ
لِبَعْضٍ عَدُوٌّ ۖ وَلَكُمْ فِي ٱلْأَرْضِ مُسْتَقَرٌّ وَمَتَٰعٌ إِلَىٰ حِينٍ ﴿٣٦﴾
فَتَلَقَّىٰٓ ءَادَمُ مِن رَّبِّهِۦ كَلِمَٰتٍ فَتَابَ عَلَيْهِ ۚ إِنَّهُۥ هُوَ ٱلتَّوَّابُ
ٱلرَّحِيمُ ﴿٣٧﴾ قُلْنَا ٱهْبِطُوا۟ مِنْهَا جَمِيعًا ۖ فَإِمَّا يَأْتِيَنَّكُم مِّنِّي
هُدًى فَمَن تَبِعَ هُدَايَ فَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ

يَحۡزَنُونَ ﴿٣٨﴾ وَٱلَّذِينَ كَفَرُواْ وَكَذَّبُواْ بِـَٔايَٰتِنَآ أُوْلَٰٓئِكَ أَصۡحَٰبُ ٱلنَّارِۖ هُمۡ فِيهَا خَٰلِدُونَ ﴿٣٩﴾

Theme	
Story of Adam's creation. Victory of knowledge. Angels show respect to Adam. Satan caused Adam to lose paradise. Adam's repentance and his forgiveness.	हज़रत आदम की तख़लीक़ की दास्तान। इल्म की फ़तह। फ़रिश्तों का आदम को सज्दा करना। शैतान के सबब आदम का जन्नत से महरूम होना। आदम की तौबा और उनकी मग़फ़िरत।
Tarjumani	
Note that occasion, when your Rabb said to the angels: I am going to place a vicegerent on earth. They said: "Will You place there one who will make mischief and shed blood while we glorify Your praises and sanctify Your name?" Allah said: "I know what you know not. He taught Adam the names of all things; then He presented those things to the angels and said: "Tell Me the names of these, if what you say is true?" (This was to show Adam's superior qualities). "Glory to You," they replied, "we have	फिर ज़रा उस वक़्त का तसव्वुर करो जब तुम्हारे रब ने फरिश्तों से कहा था कि "मै ज़मीन में एक ख़लीफा बनानेवाला हूँ।" उनहोंने अर्ज़ किया, "क्या आप ज़मीन में किसी ऐसे को मुकर्रर करनेवाले हैं जो उसके इन्तिज़ाम को बिगाड़ देगा और खूँरेजियाँ करेगा? आपकी हम्द व सना के साथ तस्बीह और आपकी तकदीस तो हम कर ही रहे हैं।" फ़रमाया, "मैं जानता हूँ, जो कुछ तुम नहीं जानते।" इसके बाद अल्लाह ने आदम को सारी चीज़ों के नाम सिखाए, फिर उन्हें फरिश्तों के सामने पेश किया और फ़रमाया, "अगर तुम्हारा ख़याल सही है (कि किसी

no knowledge except what You have taught us: in fact You are the One who is perfect in knowledge and wisdom." Allah said: "O Adam! Tell them their names." When Adam told them their names, Allah said: "Did I not tell you that I know the secrets of the heavens and the earth, and I know what you reveal and what you conceal? When We ordered the angels: "Prostrate before Adam in respect," they all prostrated except Iblees (name of Shaitan) who refused in his arrogance and became a disbeliever. Adam We said: "Dwell with your wife in Paradise and eat anything you want from its bountiful food from wherever you wish, but do not approach this tree, or you shall both become transgressors." But Shaitan tempted them with the tree to disobey Allah's commandment and caused them to slip therefrom (paradise), and get them expelled from where they were. We said: "Get down from here,	ख़लीफा के तकर्रुर से इन्तिज़ाम बिगड़ जाएगा) तो ज़रा इन चीज़ों के नाम बताओ |" उन्होंने अर्ज़ किया, "नक्स से पाक तो आप ही की ज़ात है, हम तो बस उतना ही इल्म रखते हैं, जितना आपने हमको दे दिया है	हक़ीकत में सब कुछ जानने और समझनेवाला आपके सिवा कोई नहीं |" फिर अल्लाह ने आदम से कहा, "तुम इन्हें इन चीज़ों के नाम बताओ |" जब उसने उनको उन सबके नाम बता दिए तो अल्लाह ने फ़रमाया, "मैंने तुमसे कहा न था कि मैं आसमानों और ज़मीन की वे सारी हकीकतें जानता हूँ जो तुमसे मखफी हैं, जो कुछ तुम ज़ाहिर करते हो, वह भी मुझे मालूम है और जो कुछ तुम छिपाते हो, उसे भी मैं जानता हूँ |" फिर जब हमने फरिश्तों को हुक्म दिया कि आदम के आगे झुक जाओ, तो सब झुक गए, मगर इबलीस ने इनकार किया	वह अपनी बड़ाई के घमण्ड में पड़ गया और नाफरमानों में शामिल हो गया	फिर हमने आदम से कहा कि "तुम और तुम्हारी बीवी, दोनों जन्नत में रहों और यहाँ ब-फ़रागत जो चाहो खाओ, मगर इस दरख्त का रुख न करना, वरना ज़ालिमों में शुमार होगे |" आख़िरकार

some of you being enemies to others, and there is for you in the earth an abode and provisions for a specified period. " Then Adam received appropriate words from his Rabb and repented, and Allah accepted his repentance. Surely, He is the Acceptor of Repentance, the Merciful. "Get down from here all of you," We said at the time of Adam's departure from Paradise. "Henceforth there shall come to you guidance from Me, those who accept and follow that guidance shall have nothing to fear or to grieve, But those who reject and defy Our revelations will be inmates of Hellfire, wherein they shall live forever."	शैतान ने उन दोनों को उस दरख्त की तरगीब देकर हमारे हुक्म की पौरवी से हटा दिया और उन्हें उस हालत से निकलवाकर छोड़ा जिसमें वे थे	हमने हुक्म दिया कि "अब तुम सब यहाँ से उतर जाओ, तुम एक-दूसरे के दुश्मन हो और तुम्हें एक ख़ास वक़्त तक ज़मीन में ठहरना और वहीँ गुज़र-बसर करना है	उस वक़्त आदम ने अपने रब से चंद कलिमात सीखकर तौबा की, जिसको उसके रब ने क़बूल कर लिया, क्योंकि वह बड़ा माफ़ करनेवाला और रहम करनेवाला है	हमने कहा कि "तुम सब यहाँ से उतर जाओ	फिर जो मेरी तरफ़ से कोई हिदायत तुम्हारे पास पहुँचे, तो जो लोग मेरी उस हिदायत की पैरवी करेंगे, उनके लिए किसी खौफ़ व रंज का मौक़ा न होगा, और जो उसको क़बूल करने से इनकार करेंगे और हमारी आयात को झुठलाएँगे, वे आग में जानेवाले हैं, जहाँ वे हमेशा रहेंगे |"
Tafsir	